कक्षा - दसवीं   विषय - हिंदी
बाल भारती विद्यालय, G.R.H. Marg.

अभ्यास कार्य - 1

प्र01 "मधुर मधुर मेरे दीपक जल" कविता के माध्यम से कवयित्री क्या कहना चाहती है ?

प्र02 पतंगा दीपक को जलते देखकर अपना सिर क्यों धुनता है ?

प्र03 "स्नेहहीन नित कितने दीपक" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र04 आकाश में जलमय सागर क्या देखता है ?

प्र05 बादलों की क्या विशेषता बताई गई है ?

प्र06 'विश्व - शलभ' दीपक के साथ क्यों जल जाना चाहता है ?

प्र07 सागर के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है ?

प्र08 कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाहती है ?

प्र09 विश्व कवयित्री के आस्था रूपी दीपक से क्या मांग रहा है ?

प्र010 भाव स्पष्ट कीजिए :-
"दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल - गल"